सेंटमेरीको-एडस्कूल, हरदा (म.प्र.)

हिंदी भाष सेतु (कक्षा - 5)

पाठ-17 उद्बोधन

बहुविकल्पी प्रश्न सही विकल्प चुनें

1 कवि कहाँ धीरता धारण करने को कहता है? क. संसार की समर स्थली में(✔)

2 कवि किस का पाठ पढ़ने के लिए प्रेरित करता है

ग.पौरूष (✔)

- 3. कवि के अनुसार किस मिलन से एकता होती है?

  ख. मन के(✔)

4. दीपक के उदाहरण से कवि क्या बताना चाहता है? ग. (क) और (ख) दोनों (✔)

5. दीपक की तुलना में कवि इंसान की कौन सी विशेषता बताता है?

क. परस्पर प्रेम का भाव (✔)

6. कभी इस कविता में पाठकों को क्या सलाह देता है?

घ.सभी (✔)

ख.लिखित प्रश्न

1. उद्बोधन कविता का मुख्य भाव क्या है? उत्तर -कविता का मूल भाव है कर्मवीर बनकर अपने मार्ग की बाधाओ को दूर करो। एकता की भावना का प्रसार करो और समय को देख कर चलो।

2. इस कविता में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है -

उत्तर --इस कविता में कवि एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या की भावना क्या कर एकता बनाए रखने की प्रेरणा दे रहा है कभी कहता है कि हमें समय के साथ चलना चाहिए

3. दीपक की तुलना में हम कैसा व्यवहार करते हैं?

उत्तर दीपक स्वयं कष्ट सह कर दूसरों को प्रकाश देता है परंतु दीपक की तुलना में हमारे मन एक दूसरे से नहीं मिलते।हम एक दूसरे को ही दुख देते हैं।

4. भाग्य और पुरुष में क्या अंतर है?

उत्तर भाग्य के भरोसे रहने वाला व्यक्ति कभी आगे नहीं बढ़ सकते इसके विपरीत जो पुरुषार्थ दिखाकर मेहनत की कमाई खाते हैं वही सफल होते है

5. समय के अनुसार स्वयं को बदलने से क्या लाभ होते हैं?

उत्तर - समय के अनुसार स्वय को बदलने से हम दुनिया के साथ चलते हैं अगर हम समय के अनुसार नहीं बदलते तो हम सारे जग से पीछे रह जाएंगे।

ग. सरलार्थ लिखो

संसार की समर स्थली में धीरता धारण करो चलते हुए नीच ईसषटपथ मे संकटों से मत डरो जीते हुए भी मृतक सम रहकर न केवल दिन भरो वर वीर बनकर आप अपनी विघ्न बाधाएं हरो

अर्थ कवि कहता है कि संसार की युद्ध भूमि पर धैर्य रखना सीखो । रास्ते में आने वाली विग बाधाओं से मत डरो । जीवित होते हुए भी मृत की तरह जीवन मत बिताओ वीर की भांति तुम अपने रास्ते में अनेक आने वाली सारी बाधाएं पार करते हुए चलो।

क. उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखो

वीर× कायर, नीज ×पराया, मिलन ×बिछड़ना ,जड़ ×चेतन, भाग्य ×अभाग्य ,सम× विषम ,एकता× अनेकता ,नित्य ×यदा-कदा